माँ तुरैया नहीं जांदा

माँ तुरैया नहीं जांदा सोन दा मेला आ गया,
मै आप लेजागी तू क्यों भगता खबरा गया,

धर्म धर्म दा मैं अपरादि किते पाप बथेरे,
चारे पसे गमा दे बदल छाए घोर अँधेरे
टरे पाप मित्तद, तु क्यों भगता .....

ना कोई दिलदा मेहरम मिलदा नाल जेहड़ा चले,
ना कोई संगी ना कोई साथी ना कोई पैसा पल्ले,
मै झोलिया भरदा गई ,तू क्यों भगता.....

चहो युगा दी मालिक दाती दो जहाँ दी वाली,
दीद तेरे दा प्यासा दर तो मूड ना जावे खाली,
आंसा पूरी करदागी,तू क्यों भगता....

बड़े चिरा तो दरस दा प्यासा चरना विच लगावी,
ध्यानु लाल दे वांगु बिजली नु लाड लड़ावी,
मैं दरस दिखा दा गी तू क्यों भगता.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/3330/title/maa-tureya-nahi-janda-sohn-da-mela-aa-geya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |